

मुख्यमंत्री ने कथिा '1857 की क्रांति और नीमच' पुस्तक का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

23 दसिंबर, 2021 को मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान ने वधिनसभा स्थति मुख्यमंत्री कक्ष में डॉ. सुरेंद्र शक्तावत द्वारा लिखति पुस्तक 'अटठारह सौ सत्तावन की क्रांति और नीमच' पुस्तक का वमिोचन कथिा ।

प्रमुख बदिु

- पुस्तक के लेखक डॉ. सुरेंद्र शक्तावत इतहिस संकलन समतिि नीमच के संयोजक तथा नीमच ज़लिा पुरातत्त्व संघ के सदस्य हैं । शक्तावत बालकर्वि बैरागी महावदियालय कनावटी के प्राचार्य हैं ।
- डॉ. शक्तावत ने ग्राम गाथा पपिलथिा रावजी, इतहिस की नजर में नीमच ज़लि के स्वतंत्रता सेनानी, मालवा का लोकनाट्य मंच और अन्य वधिाएँ, मालवा की चति्रकला आदि पुस्तकें लिखिी हैं ।
- प्रस्तुत ग्रंथ में अंगरेज़ों की करूरता का प्रतीक भूमथिा खेड़ी का अग्नकिांड, नबिाहेड़ा के नरिंदोष पटेल ताराचंद की हत्या और तातया की फाँसी पर अंगरेज़ी नयाय की स्व-प्रमाणति पोल खोलने का प्रयत्न कर लेखक ने सदिध कथिा है की नीमच की क्रांति केवल सैन्य वदिरोह न होकर जनक्रांति थी, जसिमें स्थानीय जन-समुदाय की भी भागीदारी रही ।
- मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के नदिशक डॉ. वकिस दवे के अनुसार डॉ. सुरेंद्र शक्तावत द्वारा लिखति पुस्तक कषेत्रीय इतहिस का महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है । वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में नीमच के क्रांतिकारथिों की वशिषिट भूमकिा रही ।
- मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम क्रांतिका सूत्रपात नीमच की लाल माटी से 3 जून, 1857 को मोहम्मद अली बेग ने कथिा था । क्रांतिवीर अलीबेग नीमच से वजिय पताका लेकर चतिताौड़, बनेड़ा, नसीराबाद, देवली होते हुए आगरा पहुँचे, जहाँ अंगरेज़ों पर वजिय प्रापत की ।